

ऊर्जा शिक्षण संस्था

परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था

पत्ता, मुम्बई-400094

अणुशक्तिनगर, मुम्बई-400094

दिनांक 2019-20

वार्षिक परीक्षा - 2019-20

कक्षा - आठवीं

समय : 3 घंटे

विषय - हिंदी

पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश -

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं - क, ख, ग और घ ।
2. सभी खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

8

मानव प्रकृति से बहुत कुछ सीख सकता है । सबसे बड़ी शिक्षा तो स्वार्थ रहित सेवा भावना की है । प्रकृति हमें अपना सब कुछ दान कर देती है , परंतु हम प्रकृति को बदले में क्या देते हैं ? हमें भी प्राकृतिक सम्पदा के संरक्षण का ध्यान रखना चाहिए । परंतु हम करते क्या हैं ? हम बिल्कुल विपरीत व्यवहार करते हैं । हम अपने लाभ व सुख सुविधाओं का भोग करने के लिए आए दिन वनों का अंधाधुंध सफाया करते जा रहे हैं । पेड़ काटकर औद्योगिक परिसर, भवन, होटल तथा व्यापारिक स्थल बनाते जा रहे हैं । हम यह तथ्य भूल जाते हैं कि इस प्रकार के संसाधन एक न एक दिन समाप्त हो जाएँगे और उस दिन हमें अपने कार्यों पर पछताना ही पड़ेगा । हमें पता है कि प्रकृति अपनी रिक्तता को पूर्ण करने में समर्थ है, परंतु हम उसे इस पूर्ति का समय ही नहीं देना चाहते । अतः हमें वन सम्पदा की सेवा के लिए वनवर्धन और वृक्षारोपण पर अधिक से अधिक बल देना चाहिए ताकि प्रकृति हमें बेहतर ढंग से

उपहार दे सके ।

- I. मनुष्य का प्रकृति के प्रति क्या कर्तव्य है ? 2
- II. मनुष्य वनों का सफाया क्यों करता जा रहा है ? 2
- III. प्रकृति मनुष्य को बेहतर ढंग से उपहार कैसे दे सकती है ? 2
- IV. 'संरक्षण' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग छाँटकर लिखिए । 1
- V. 'प्राकृतिक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है ? 1

2. के उत्तर निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 7

दादाजी नाराज़ हैं ।

रोज़ रहा करते हैं वे क्या आज हैं?

पता नहीं चल पाता है, किससे नाराज़ हैं ।

बच्चों से नाराज़ हैं कि बूढ़ों से नाराज़ हैं

चतुरों से नाराज़ हैं कि मूर्खों से नाराज़ हैं

कचरों से नाराज़ हैं कि कूड़ों से नाराज़ हैं । दादाजी नाराज़ हैं ।

रोज़ रहा करते हैं वे क्या आज हैं ?

उन्हें हुआ है क्या ये कोई राज़ नहीं गुम सुम हैं अपने कमरे में

उन्हें बुलाए जो ऐसी आवाज़ नहीं ।

गुज़र गए उनकी दुनिया के मेले-ठेले

दादी नहीं रही तब से हैं और अकेले ।

- I. कवि को क्या पता नहीं चल पा रहा है ? 1
- II. इस कविता का उचित शीर्षक लिखिए । 1
- III. दादाजी किस-किस से नाराज़ हैं ? 1
- IV. दादाजी अपने कमरे में गुमसुम से क्यों हैं ? 2
- V. दादाजी कब से अकेले हैं ? 2

